

MA Hindi Syllabus

(Effective from the Academic Session 2022-23)

(1-4 semesters)



Department of Hindi
Sardar Patel University, Mandi
Himachal Pradesh

def-11
29/09/2022

Dr. Raj Kumar Jambhal
Associate Professor
Deptt. Hindi
UGC Mandi, H.P.

29/9/2022

2

पाठ्यक्रम विवरणिका
स्नातकोत्तर हिंदी द्विवर्षीय
क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी. बी.सी. एस.) -2022

भूमिका

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के स्नातकोत्तर विभाग हिंदी ने वर्ष 2007 में पाठ्यक्रम को संशोधित एवं परिवर्धित किया था। अब इसी पाठ्यक्रम को चयन आधारित पद्धति (सी. बी.सी. एस.) को लागू करने के उद्देश्य से स्नातकोत्तर हिंदी का पाठ्यक्रम 2022-23 के प्रथम सेमेस्टर से लागू किया जाएगा। पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्रों का प्रारूप और अंक विभाजन में अपेक्षित एवं समुचित परिवर्तन किए गए हैं। प्रस्तावित पुस्तकों की सूची भी संवर्धित की गई है।

संबद्धता

हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के लिए होगा।

स्नातकोत्तर हिंदी के पाठ्यक्रम के अंतर्गत तीन प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे :

1. **मूल पाठ्यक्रम (Core Course) :** स्नातकोत्तर हिंदी के प्रत्येक सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों के लिए यह अनिवार्य होगा। सेमेस्टर-I के अंतर्गत चार मूल पाठ्यक्रम होंगे और सेमेस्टर-II के अंतर्गत चार पाठ्यक्रम होंगे। सेमेस्टर-III के अंतर्गत तीन मूल पाठ्यक्रम होंगे। सेमेस्टर-IV के अंतर्गत चार पाठ्यक्रम होंगे।
2. **ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Elective Course) :** सेमेस्टर-III के पाठ्यक्रम में चौथे प्रश्नपत्र के अंतर्गत चार विकल्प होंगे जिसमें से किसी एक का चयन करना होगा।
3. **जेनरिक पाठ्यक्रम (Genric) :** इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत दूसरे और चौथे सेमेस्टर के अंतर्गत एक-एक पाठ्यक्रम होगा जिसे हिंदी विभाग के विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य विभागों के विद्यार्थी पढ़ सकेंगे।

पाठ्यक्रम : स्नातकोत्तर हिन्दी (M.A. Hindi) कार्यक्रम अनुवर्तन (PO's)

साहित्य ज्ञान : हिंदी भाषा और साहित्य के उत्कृष्ट ज्ञान एवं दृष्टिकोण को विश्व स्तर पर प्रतिस्थापित करना।

समस्या विश्लेषण : साहित्य के मौलिक और सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध शोध साहित्य और उसकी समस्याओं का विश्लेषण करते हुए उसके मूल निष्कर्ष तक पहुंचना।

समाधानों का विकास : मानवीय अनुभवों के आधार पर और गहन समीक्षा के माध्यम से सामाजिक विकास सभ्यता को बहुआयामी आकार एवं परिवर्तन लाने और राजनीतिक व्यवस्था को बदलने में सहायक होना।

जटिल समस्याओं की जांच का संचालन : साहित्य की अवधारणा, सिद्धांतों का निरूपण, अवलोकन, विश्लेषण करने हेतु रचनात्मक कौशल का विकास करना।

आधुनिक उपकरण उपयोग : साहित्यिक एवं आधुनिक साहित्य सिद्धांतों के उचित दृष्टिकोणों का चुनाव करते हुए क्रियान्वित करना।

साहित्य और समाज : साहित्य के रूप में समाज के विकास पर प्रमुख प्रभाव, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण और प्रतिबिंब है।

पर्यावरण और स्थिरता : साहित्य ज्ञान के माध्यम से सामाजिक एवं पर्यावरण के दृष्टिकोण और उसकी आवश्यकता को समझना।

नैतिकता : साहित्यिक कार्यों में दर्शाए गए नैतिक सिद्धांतों को समाज के व्यवसायिक, नैतिकता एवं सामाजिक मानदंडों पर क्रियान्वित करना।

व्यक्तिगत और सामूहिक कार्य : बहुआयामी कार्यों में व्यक्तिगत वा सामूहिक नेतृत्व के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य करना।

संचार : वैश्विक समुदाय के स्तर पर समाज के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना, साहित्यिक दृष्टिकोण के आधार पर सभी शैलियों में दस्तावेजीकरण एवं शोध प्रबंध, शोध आलेख को लिखने-समझने एवं प्रस्तुतिकरण में सक्षम होना, शोध परियोजना बनाने हेतु अभिप्रेरित करना।

आजीवन अधिगम : पीएच. डी. कार्यक्रमों के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए ज्ञान, कौशल और प्रेरणा, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण करियर शुरू करना, इस प्रकार तकनीकी परिवर्तन के व्यापक संदर्भ में आजीवन सीखने में संलग्न होना।

कार्यक्रम विशिष्ट अनुवर्तन (PSOs)

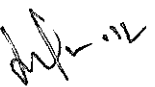
1. हिंदी भाषा और साहित्य में शिक्षण, अनुसंधान, अनुवाद में उत्कृष्टता।

2. हिंदी भाषा और साहित्य में वैश्विक मानकों पर आधारित स्नातकोत्तर और विद्यावाचस्पति उपाधि धारक विद्यार्थी और शोधार्थी तैयार करना।

3. हिंदी भाषा और साहित्य में लेखक, अनुवादक और समालोचक तैयार करना।

4. शिक्षण, अनुसंधान और अनुवाद में देश और विदेशों के साथ परस्पर सहयोग करना।

5. आधुनिक सिनेमा के माध्यम से हिंदी भाषा एवं साहित्य का प्रचार-प्रसार, व्यवसायाभिमुख कौशल को विकसित करना, भारतीय सभ्यता और संस्कृति की पुनर्स्थापना।





सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्नपत्रों के शीर्षक	पाठ्यक्रम अनुवर्तन - Course Outcomes (CO'S)	क्रेडिट : व्याख्यान=5 घंटे प्रतिदिन अनुशिक्षण= 1 घंटा प्रति सप्ताह	रेगुलर विद्यार्थियों हेतु अंक विभाजन : थ्योरी=80 आंतरिक मूल्यांकन : (समनुदेशन= 10, प्रस्तुतिकरण =5 उपस्थिति =5) =20	(पत्राचार विद्यार्थियों हेतु थ्योरी=80 आंतरिक मूल्यांकन : समनुदेशन 20	प्राइवेट विद्यार्थियों हेतु अंक विभाजन=1 00
I	MHIN 101	मध्यकालीन काव्य	मध्यकालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं से भक्ति और दार्शनिक चेतना का विकास। सामाजिक एकता, अखंडत तथा नैतिक मूल्यों को विकसित करना। भक्ति आंदोलन की अवधारणाओं, भाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन, संतवाणी तथा उनके उपदेशों से आध्यात्मिक चेतना और मानसिक विवेचन करना।	5+1=6	80+20=100		100
	MHIN 102	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)	हिंदी साहित्येतिहास अध्ययन के माध्यम से चिन्तन दृष्टि को विकसित करना। हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहासकारों के जीवन से प्रेरणा और संवेदनशीलता, रचनात्मकता एवं सौन्दर्यात्मकता को विकसित करना। हिंदी साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का कालक्रमिक विवेचन-विश्लेषण एवं ज्ञानवर्धन।	5+1=6	80+20=100		100
	MHIN 103	हिन्दी नाटक एवं उपन्यास	आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना। उपन्यासों एवं नाटकों के माध्यम से राष्ट्रीय, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मूल्यों के संवर्धन की दृष्टि को विकसित करना। विद्यार्थियों का रंगमंचीयता एवं अभिनेयता की ओर प्रवृत्त होना।	5+1=6	80+20=100		100
	MHIN 104	भाषा-विज्ञान	भाषा के उद्भव और विकास की परंपरा तथा व्याकरण के सैद्धान्तिक ज्ञान से अवगत होना। हिंदी भाषा में रुचि तथा जनसंचार के विभिन्न माध्यमों से हिन्दी भाषा की उपयोगिता को विकसित करना। हिंदी भाषा की उपयोगिता सिद्ध करना तथा विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित करना।	5+1=6	80+20=100		100
सेमेस्टर		प्रश्नपत्रों के शीर्षक					

Handwritten signature/initials

II	MHIN 201	भक्ति एवं रीति- काव्य	भक्ति एवं रीति-काव्य के विश्लेषण से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन। काव्य ग्रंथों एवं काव्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का विवेचन। रचनात्मकता, सौन्दर्यात्मकता एवं संवेदनशीलता के विकसित तथा श्रद्धा, भक्ति, प्रेम भाव एवं नैतिक मूल्यों की स्थापना करना।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 202	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	आधुनिक काल के विभिन्न वादों, आंदोलनों एवं विविध विधाओं में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टि को विकसित करना। आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास का विवेचन और हिंदी भाषा और साहित्य के बदलते परिदृश्य एवं स्वरूप का अध्ययन। आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता के बदलते स्वरूप और जीवनमूल्यों में परिवर्तन का ज्ञान।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 203	आधुनिक गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं और प्रवृत्तियों का विश्लेषण। गद्य साहित्य की विधाओं के अध्ययन से मानवीय जीवन में घटित विभिन्न घटनाओं का अवलोकन तथा सामाजिक उत्थान के प्रति मानवता को जागरूक करना। जीवन मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना।			
	MHIN 204	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	हिंदी भाषा का उद्भव एवं वर्तमान संदर्भ में हिंदी के महत्व का विश्लेषण करना। हिंदी के उपयोग में विभिन्न तकनीकी शब्दावली, भाषा कौशल और व्याकरणिक दृष्टि की क्षमता को विकसित करना। राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार- प्रसार के माध्यम से भारतवर्ष की सभ्यता-संस्कृति को समृद्ध करना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रबल बनाना।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 205	मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रकारिता (जेनरिक-1)	हिंदी पत्रकारिता के इतिहास क्रम की जानकारी। मीडिया लेखन की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान तथा विद्यार्थियों में भाषायी दक्षता व कौशल विकास होना। मीडिया लेखन व हिंदी पत्रकारिता के अध्ययन से समाज में घटित विभिन्न घटनाओं के प्रति जागृति।	04	80+20=100	100
III						
		प्रश्नपत्रों के शीर्षक				
	MHIN 301	भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन	काव्य शास्त्र के अध्ययन तथा लेखन के प्रति रुझान और संचार कौशल को विकसित करना।	5+1=6	80+20=100	100

dy...

Q

			हिंदी एवं संस्कृत साहित्य में काव्य शास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों एवं साहित्यिक रूपों के ज्ञान को विकसित करना। आधुनिक युग में प्राचीन भारतीय काव्य शास्त्र की महत्ता और उसे क्रियान्वित हेतु प्रेरित करना।			
	MHIN 302	अनुवाद विज्ञान	अनुवाद का सिद्धांतिक एवं व्यावहारिक विवेचन तथा तकनीकी अध्ययन। लक्ष्य भाषा में सृजनात्मकता के लिए भाषा की संरचना और भाषायी सिद्धांतों के ज्ञान को विकसित करना। अनुवाद के लिए विभिन्न उपकरण एवं तकनीकों की जानकारी तथा स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का ज्ञान।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 303	छायावादी काव्य	कवियों का साहित्यिक परिचय, भाषा एवं शिल्प विधान का ज्ञान। कविताओं के माध्यम से प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चेतना को विकसित करना। छायावादी कवियों के चिंतन एवं दर्शन का ज्ञान।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 304	(वैकल्पिक) आधुनिक हिंदी कहानी (विकल्प एक)	कहानी के शिल्प विधान की प्रक्रिया को समझना एवं विकसित करना। कहानी के पठन-पाठन के उपरांत समीक्षात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत्त होना। कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ, मूल्यों का संवर्धन एवं सामाजिक विसंगतियों से अवगत होना।	5+1=6		
दर्शन		आधुनिक हिन्दी उपन्यास (विकल्प दो)	वृहद् कथा साहित्य के शिल्प विधान की प्रक्रिया को विकसित करना। उपन्यासों में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक घटनाओं का अवलोकन करते हुए आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध। उपन्यासों के माध्यम से मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझना उपन्यास के पठन-पाठन के उपरांत समीक्षात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत्त होना।			
		आधुनिक हिंदी नाटक (विकल्प तीन)	आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना। नाटककारों के साहित्यिक दृष्टिकोण और रंगमंच की परम्परा से अवगत होना। मानव मूल्यों का संवर्धन एवं अभिनेयता के गुणों का संचार तथा सृजनात्मक कौशल का विकास।			

		आधुनिक हिंदी कविता (विकल्प चार)	सामाजिक, आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय गुणों का विकास करना। कविताओं के मूल भाव समझने हेतु अभिप्रेरित करना तथा कविता पठन एवं लेखन के प्रति रुचि पैदा करना। कवियों की रचनाओं एवं मानवमूल्यों के ज्ञान से अवगत होना।		80+20=100	100
		प्रश्नपत्रों के शीर्षक				
IV	MHIN 401	छायावादोत्तर काव्य	काव्य के माध्यम से पौराणिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास। काव्य के नवीन शिल्प विधान का ज्ञान। वैचारिक धरातल पर नवीन जीवन मूल्यों को विकसित करना।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 402	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत	पाश्चात्य काव्य शास्त्र के दार्शनिकों के सिद्धांतों का विश्लेषणात्मक ज्ञान। भारतीय संदर्भ में पाश्चात्य समीक्षा के महत्व का प्रतिपादन। आधुनिक पाश्चात्य समीक्षा का व्यावहारिक चिंतन।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 403	शोध प्रविधि	हिंदी साहित्य के शोध एवं अंतर-अनुशासनात्मक शोध दृष्टि को विकसित करना। शोध विषय में गुणात्मक एवं मात्रात्मक तथ्यों का विश्लेषण, प्रस्तुतिकरण एवं कौशल विकास को विकसित करना। आलोचनात्मक दृष्टि को व्यावहारिक और सृजनात्मक रूप विकसित करना।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 404	लोक साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन एवं प्रायोगिक आयाम	लोक जीवन एवं ग्रामीण समाज के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन हेतु लोक साहित्य के अध्ययन का अवलोकन। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंधके ज्ञान को विकसित करना। लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं के अध्ययन से किसी भी क्षेत्र की परिस्थितियों का अवलोकन।	5+1=6	80+20=100	100
	MHIN 405	हिंदी साहित्य और सिनेमा (जेनरिक-II)	भारतीय सभ्यता और संस्कृति से परिचित होना तथा नानवीय मूल्यों का विकास करना। सृजनात्मक एवं लेखन कौशल का विकास तथा हिंदी साहित्य के प्रति रुचि जागृत करना। हिंदी साहित्य और सिनेमा के अंतरसंबंधों का ज्ञान, सृजनात्मक एवं लेखन कौशल को विकसित करना और समाज के उबलंत विषयों से अवगत कमाना।	04		
				कुल क्रेडिट=104	कुल अंक=100	कुल अंक=100

def-12



6. मीडिया और पत्रकारिता की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान, रोजगारपरकता, वैश्व स्तर पर मीडिया की व्यापकता एवं महत्ता तथा कौशलता की अभिवृद्धि।

7. लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं- लोकगीत, लोकगाथाएँ, लोककथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरों के अध्ययन से पारम्परिक ज्ञान एवं ग्रामीण जीवन के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आर्थिक, पर्यावरण, चिकित्सा पद्धति के पहलुओं का विवेचन और विश्लेषण।

क्रेडिट पाठ्यक्रम पद्धति (सी. बी.सी. एस.) के आधार पर प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अनुवर्तन (Course Outcomes(CO'S) तथा अन्य विवरण निम्न प्रकार है :

पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर हिंदी का यह पाठ्यक्रम द्विवर्षीय पाठ्यक्रम होगा, जिसे वर्ष में दो सेमेस्टर और पूर्ण पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्देशित एवं निर्मित पाठ्यक्रम के आधार को स्वीकृत करते हुए हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के चार सेमेस्टर के चयन आधारित 'क्रेडिट पद्धति (सीबीसीएस)' के अंतर्गत संपूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन पद्धति को तैयार किया गया है। प्रत्येक छात्र को उत्तीर्ण होने के लिए स्नातकोत्तर उपाधि के अंतर्गत कम-से-कम कुल 98 क्रेडिट अर्जित करने होंगे। सेमेस्टर के अनुरूप प्रश्नपत्रों का विवरण निम्न प्रकार से है-

पाठ्यक्रम स्नातकोत्तर हिन्दी- 2022

पहला सत्र

पाठ्यक्रम - MHIN 1	मध्यकालीन काव्य
पाठ्यक्रम - MHIN 2	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)
पाठ्यक्रम - MHIN 3	हिन्दी नाटक एवं उपन्यास
पाठ्यक्रम - MHIN 4	भाषा-विज्ञान

दूसरा सत्र

पाठ्यक्रम - MHIN 5	भक्ति एवं रीति-काव्य
पाठ्यक्रम - MHIN 6	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
पाठ्यक्रम - MHIN 7	आधुनिक गद्य साहित्य
पाठ्यक्रम - MHIN 8	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि
पाठ्यक्रम - MHIN 9	मीडिया लेखन एवं हिन्दी पत्रकारिता (जेनरिक-1)

तीसरा सत्र

पाठ्यक्रम - MHIN 10	भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन
पाठ्यक्रम - MHIN 11	अनुवाद विज्ञान
पाठ्यक्रम - MHIN 12	छायावादी काव्य
पाठ्यक्रम - MHIN 13	आधुनिक हिंदी कहानी (एक) आधुनिक हिन्दी उपन्यास(दो) आधुनिक हिन्दी नाटक (तीन) आधुनिक हिंदी कविता (चौथा)

चौथा सत्र

पाठ्यक्रम - MHIN 14	छायावादोत्तर काव्य
पाठ्यक्रम - MHIN 15	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत
पाठ्यक्रम - MHIN 16	शोध प्रविधि
पाठ्यक्रम - MHIN 17	लोक साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन एवं प्रायोगिक आयाम
पाठ्यक्रम - MHIN 18	हिंदी साहित्य और सिनेमा (जेनरिक-2)
कुल प्रश्न पत्र - 18	

(डॉ. पान सिंह)

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग एवं

अध्यक्ष अध्ययन समिति

हि0प्र0 विश्वविद्यालय, शिमला-5

प्रथम सत्र पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र - 1 (MHIN 1)

मध्यकालीन काव्य

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 100 (प्राईवेट परीक्षार्थी)

पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी)

इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित चार कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

खंड-1

1. कबीर : (पद संख्या : 160 से 209) = 50 पद
पाठ्य पुस्तक : कबीर, (सं.) हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

खंड-2

2. सूरदास : (पद संख्या: 21 से 70) = 50 पद
पाठ्य पुस्तक : भ्रमरगीत सार (सं.) रामचन्द्र शुक्ल, ओमेगा प्रकाशन, दिल्ली।

खंड-3

3. तुलसीदास : (उत्तरकांड : दोहा संख्या : 1 से 50 तक) = 50 दोहे-चौपाइयाँ।
पाठ्य पुस्तक : रामचरित मानस (गीता प्रैस) (सं.), माता प्रसाद गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, उत्तरप्रदेश।

खंड-4

4. जायसी : (मानसरोदक खंड एवं नागमती वियोग खण्ड (दो खण्ड)।
पाठ्य पुस्तक : पद्मावत, (सं.) रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पढ़ी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (प्राईवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100.

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी) कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली।
2. सन्त कबीर : डॉ. राम कुमार वर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
3. भारतीय साधना और सूर साहित्य: मुंशी राम शर्मा, साहित्य निकेतन, कानपुर।
4. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई।
5. सूर की काव्य कला : मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
6. कबीर मीमांसा : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती, इलाहाबाद।
7. तुलसी: आधुनिक वातायन से, रमेश कुन्तल मेघ, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प, प्रकाश दीक्षित, सरस्वती पुस्तक मंदिर, आगरा।
9. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, का.ना.प्र.सभा, वाराणसी।
10. पूरा कबीर, डॉ. बलदेव चंशी (सं.) प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
11. सूर और उनका साहित्य, हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
12. कालजयी कबीर, हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव विद्दविद्यालय, अमृतसर।
13. तुलसीदास, चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
14. सूर की साहित्य साधना, भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
15. सुखविन्दर कौर, कबीर का लोकतात्विक चिन्तन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16. कुमार कृष्ण (सं.) कबीर : विविध परिप्रेक्ष्य, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला।

प्रश्न पत्र – 2 (MHIN 2)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)

समय: तीन घण्टे पूर्णांक 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पूर्णांक: 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

खंड-1

इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास।

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।

खंड-2

हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ-साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य।

हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, गद्य साहित्य।

प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

खंड-3

पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक-चेतना एवं भक्ति-आन्दोलन, विभिन्न काव्य-धाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।

प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और उनका अवदान।

भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रन्थ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्त्व।

राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तितर काव्य प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य।

भक्तिकालीन गद्य-साहित्य।

खंड-4

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रन्थों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य

की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ।

रीतिकालीन गद्य साहित्य।

प्राश्निक के लिए निर्देश:

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के अधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल प्रकाशन, दिल्ली।
2. रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, का.ना.प्र.स. वाराणसी।
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना।
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास, राजकमल, दिल्ली।
5. गणपति चन्द्र गुप्त, हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, इलाहाबाद।
6. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण, दिल्ली।
7. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य का अतीत, वाणी वितान, वाराणसी।
8. रामसजन पाण्डेय, (सं.) हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मी पब्लिशिंग हाउस, रोहनक।
9. तारक नाथ बाली, हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. श्यामसुन्दर दास, हिंदी साहित्य, इंडियन लिमिटेड, प्रयाग।
11. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिंदी साहित्य का इतिहास और समस्या, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. डॉ. हुकुम चंद राजनाल, हिंदी साहित्य का इतिहास, विकास पब्लिशिंग हाउस, प्रा. लि., नई दिल्ली।

प्रश्न पत्र – 3 (MHIN 3)

हिन्दी नाटक एवं उपन्यास

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दो नाटकों तथा दो उपन्यासों का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्य विषय :

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित -

खंड-1

1. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद ।

पाठ्य पुस्तक : चन्द्रगुप्त (नाटक), जयशंकर प्रसाद, भारतीच भंडार, इलाहबाद।

खंड-2

2. अंधा युग : धर्मवीर भारती ।

पाठ्य पुस्तक : अंधा युग (नाटक), धर्मवीर भारती, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।

खंड-3

3. गोदान : प्रेमचन्द ।

पाठ्य पुस्तक : गोदान (उपन्यास), प्रेमचंद, सरस्वती प्रेस, इलाहबाद।

खंड-4

4. मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु ।

पाठ्य पुस्तक : मैला आँचल (उपन्यास), फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी) कुल अंक : 80

अनुशासित पुस्तकें :

1. कुमार कृष्ण, हिन्दी कथा साहित्य : परख और पहचान, विभूति प्रकाशन, दिल्ली।
2. रामविलास शर्मा, प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. राजेश्वर गुरु, प्रेमचन्द एक अध्ययन, मध्य प्रदेशीय प्रकाशन समिति, भोपाल।
4. अशोक कुमार आलोक (सं.) फणीश्वरनाथ रेणु : सृजन और सन्दर्भ, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
5. हरिशंकर दुबे, फणीश्वरनाथ रेणु : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, विकास प्रकाशन।
6. गोविन्द चातक, प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना, साहित्य भारती, दिल्ली।
7. डॉ. सरिता शुक्ला, धर्मवीर भारती, युगचेतना और अभिव्यक्ति, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर।
8. भारत यायावर, मैला आँचल वाद-विवाद और संवाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
9. डॉ. रेणु शाह, फणीश्वरनाथ रेणु का कथा शिल्प, राजस्थानी ग्रन्थकार, जोधपुर।
10. डॉ. सत्यवती त्रिपाठी, आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. डॉ. शेखर शर्मा, समकालीन संवेदना और हिंदी नाटक, भावना प्रकाशन, दिल्ली।
12. डॉ. सरोज प्रसाद, प्रेमचंद के उपन्यासों में समसामयिक परिस्थितियों का प्रतिफलन, रचना प्रकाशन, इलाहबाद।

प्रश्न पत्र – 4 (MHIN 4)

भाषा विज्ञान

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

खंड-1

भाषा और भाषा विज्ञान: भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा(ल लॉग) और वाक् (ल पेरोल) भाषा-व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य ।

भाषा विज्ञान: स्वरूप एवं क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएं-वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।

खंड-2

स्वनप्रक्रिया : स्वनप्रक्रिया का स्वरूप और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन ।

स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण ।

खंड-3

व्याकरण : रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त आबद्ध अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी, सम्बन्धदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य ।

खंड-4

वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्वितामिभधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, निकटस्थ-अवयव विश्लेषण, गहन-संरचना और बाह्य-संरचना ।

अर्थ विज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध ।

अर्थ-परिवर्तन: कारण और देशाएं ।

साहित्य और भाषा विज्ञान: साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान की उपयोगिता ।

प्राश्निक के लिए निर्देश:

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे ।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक ।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक ।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशासित पुस्तकें:

1. देवेन्द्र नाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी, भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद ।
3. तिलक सिंह, नवीन भाषा विज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
4. कपिलदेव शास्त्री, भाषाविज्ञान एवं भाषा-शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ ।
6. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सैद्धान्तिक एवं अनुपयुक्त भाषा-विज्ञान, साहित्य सहकार, दिल्ली ।
7. हरिश्चन्द्र वर्मा, भाषा और भाषा-विज्ञान, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
8. नरेश मिश्र, भाषा और भाषा-विज्ञान, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. सीताराम झा 'श्याम', भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना ।

दूसरा सत्र पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – 5 (MHIN 5)

भक्ति एवं रीति काव्य

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)
इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या तथा विवेचना के लिए निम्नलिखित चार कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

खंड-1

1. मीरा (आरंभिक 50 पद)

पाठ्य पुस्तक : मीरा का काव्य, (सं.) विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

खंड-2

2. रसखान (सुखान रसखान आरम्भिक 25 सवैये और प्रेमवाटिका से आरम्भिक 25 छंद)।

पाठ्य पुस्तक: रसखान ग्रंथावली, (सं) प्रो. देशराज भाटी, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।

खंड-3

3. बिहारी सतसई (आरंभिक 50 दोहे)

पाठ्य पुस्तक : बिहारी रत्नाकर, (सं) जगन्नाथदास रत्नाकर, तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

खंड-4

4. घनानंद कवित (आरंभिक 50 छंद)

पाठ्य पुस्तक : घनानंद कवित्त, (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वितान प्रकाशन, वाराणसी।

प्राश्रिक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी) कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. शिव कुमार मिश्र, भक्ति काव्य और लोकजीवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रो. कल्याण सिंह शेखावत, मीरा ग्रंथवाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भगवान दास त्रिपाठी, मीरा का काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4. सं. पल्लव, मीरा - एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला हरियाणा
5. विद्या निवास मिश्र, रसखान रचनावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. डॉ. बच्चन सिंह, रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
7. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, बिहारी, वाणी प्रकाशन, वाराणसी।
8. डॉ. बच्चन सिंह, बिहारी: नया मूल्यांकन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. डॉ. हरवंश लाल/परमा नन्द शास्त्री, बिहारी और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
10. बिहारी काव्य का मूल्यांकन, साहित्य भवन, इलाहाबाद
11. डॉ. मनोहर लाल गौड़, घनानन्द और स्वच्छन्द कव्यधारा. का. ना. प्र. सभा वाराणसी।
12. डॉ. रामदेव शुक्ल, घनानन्द का काव्य, मैक्सिमलन, दिल्ली।
13. डॉ. लल्लन राय, घनानन्द, साहित्य अकादमी, दिल्ली।

प्रश्न पत्र – 6 (MHIN 6)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

खंड-1

आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

खंड-2

द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास-छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

खंड-3

उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता।
प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

खंड-4

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोतार्ज आदि) का विकास।
हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।

प्राश्निक के लिए निर्देश:

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें:

1. डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल, दिल्ली।
2. डॉ. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण, दिल्ली।
3. डॉ. शिव कुमार, हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन, मैक्सिमलन, दिल्ली।
4. डॉ. रामकुमार वर्मा, हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामनारायण लाल, इलाहाबाद।
5. रामसजन पाण्डेय, (सं.) हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मी पब्लिशिंग हाऊस, रोहतक।
6. रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, का.ना.प्र.स. वाराणसी।
7. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।
8. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास, राजकमल, दिल्ली।
9. गणपति चन्द्र गुप्त, हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, भारतेन्दु भवन, इलाहाबाद।
10. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य का अतीत, वाणी वितान, वाराणसी।
11. रामसजन पाण्डेय, (सं.) हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मी पब्लिशिंग हाऊस, रोहतक।
12. तारक नाथ बाली, हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
13. श्यामसुन्दर दास, हिंदी साहित्य, इंडियन लिमिटेड, प्रयाग।
14. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिंदी साहित्य का इतिहास और समस्या, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
15. डॉ. हुकुम चंद राजपाल, हिंदी साहित्य का इतिहास, विकास पब्लिशिंग हाऊस, प्रा. लि., नई दिल्ली।

प्रश्न पत्र – 7 (MHIN 7)

आधुनिक गद्य साहित्य

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निबन्ध तथा कहानी विधा का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्य विषय

खंड-1

निबन्ध :

निम्नलिखित निबन्धकारों के दोनों खंडों में चार-चार (कुल=8) निबन्धों का अध्ययन-

बालकृष्ण भट्ट (कौलिन्य और सदवृत्त), रामचन्द्र शुक्ल(करुणा), हजारी प्रसाद द्विवेदी (कल्पलता), प्रताप नारायण मिश्र (बात),

खंड-2

रामविलास शर्मा (छायावाद), विद्यानिवास मिश्र (मेरे राम का मुकुट भीग रहा है), कुबेरनाथ राय (किरात नदी में चन्द्रमधु), सरदार पूर्ण सिंह (आचरण की सभ्यता)।

खंड-3

कहानी :

निम्नलिखित कहानीकारों की दोनों खंडों में चार-चार (कुल=8) कहानियों का अध्ययन -

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी(उसने कहा था), प्रेमचन्द(पूस की रात), जैनेन्द्र (पत्नी), निर्मल वर्मा (परिदे),

खंड-4

कृष्णा सोबती (सिक्का बदल गया), उषा प्रियम्बदा (वापसी), ज्ञानरंजन (पिता), एस. आर. हरनोट (जीन काठी)।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्यख्याएँ पृछी जायेंगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो अन्तोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मधुरेश, नयी कहानी: पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. नरेन्द्र मोहन, समकालीन कहानी की पहचान, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।
3. कुमार कृष्ण, कहानी के नये प्रतिमान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. डॉ. देवीशंकर अवस्थी, नई कहानी संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शैलजा, समकालीन हिंदी कहानी बदलते जीवन संदर्भ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. रामदरश मिश्र, हिंदी कहानी अंतरंग पहचान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
7. डॉ. नरेन्द्र मोहन, समकालीन कहानी की पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. शम्भु गुप्त, कहानी : समकालीन चुनौतियाँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. डॉ. निर्मला जैन (सम्पादक) निबंधों की दुनिया, जैनेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. बच्चन सिंह, साहित्यिक निबंध आधुनिक दृष्टिकोण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. डॉ. आरती अग्रवाल, हिंदी निबंध साहित्य का लालित्य विधान, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
12. रामप्रसाद किचलू, आधुनिक निबंध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. डॉ. बाबू राम मैहला, हिंदी निबंधों में सांस्कृतिक चेतना, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली

प्रश्न पत्र – 8 (MHIN 8)
हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)
पाठ्य विषय

खंड-1

हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं- वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ।
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।

खंड-2

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

खंड-3

हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खंडीय, खंड्येत्तर।

हिन्दी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

व्याकरणिक कोटियाँ - लिंग, वचन, नुरुष कारक और काल (पक्ष और वृत्ति) हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया।

वाक्य-रचना और उस के भेद. पदक्रम और अन्विति।

खंड-4

हिन्दी के विविध रूप : सम्पर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, मानक-भाषा, संचार-भाषा।

देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास, वैज्ञानिकता, हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण।

प्राश्निक के लिए निर्देश:

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के ही उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा का इतिहास, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
2. भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. उदयनारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, लीडर प्रेस, प्रयाग।
4. हरीशचन्द्र पाठक, हिन्दी भाषा: इतिहास और संरचना, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
5. नरेश मिश्र, भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली।
6. कृष्ण कुमार गोस्वामी, शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिन्दी; आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
7. कैलाश चन्द्र भाटिया, राजभाषा हिन्दी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सीताराम झा 'श्याम', भाषा विज्ञान तथा हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।

हिंदी पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन (जेनरिक-1)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

खंड (क)

हिंदी पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास

मीडिया : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, उद्भव एवं विकास

खंड -ख

हिंदी पत्रकारिता के प्रकार : समाचार पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, वाणिज्य पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता एवं अन्य।

मीडिया के प्रकार : प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

खंड -ग

मीडिया एवं जनसंचार : हिंदी भाषा के सन्दर्भ में

हिंदी पत्रकारिता एवं मीडिया : चुनौतियां और दायित्व

हिंदी पत्रकारिता पर मीडिया का प्रभाव

खंड -घ

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हिंदी की भूमिका

सूचना प्राप्ति का अधिकार

रेडियो लेखन, विज्ञापन लेखन, टेलीविजन लेखन, समाचार लेखन, पुस्तक लेखन।

हिंदी मीडिया की तकनीकी शब्दावली।

प्राश्निक के लिए निर्देशः

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचन त्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. पुष्पेंद्र कुमार आर्य, मीडिया में कैरियर, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।
3. सुमित मोहन, मीडिया लेखन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रो.राम लखन मीणा, प्रयोजनमूलक मीडिया विमर्श : सिद्धांत और अनुप्रयोग, के.के.पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।
6. डॉ. राजेंद्र मिश्र, प्रयोजनमूलक हिंदी और जनसंचार, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. मीरा रानी बल, हिंदी नवजागरण हिंदी पत्रकारिता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. डॉ. संजीव भानावत, पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
9. डॉ. अर्जुन तिवारी, हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. ज्ञानेंद्र रावत, पत्रकारिता के विभिन्न स्वरूप, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
11. गणेश मंत्री, पत्रकारिता की चुनौतियाँ, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।
12. देवप्रकाश मिश्र, हिंदी पत्रकारिता : आधुनिक संदर्भ, स्वरज प्रकाशन, दिल्ली।
13. ओ. पी. शर्मा, पत्रकारिता और उसके विभिन्न स्वरूप, महावीर एण्ड संस, दिल्ली।
14. बिजेंद्र कुमार, हिंदी पत्रकारिता और भूमण्डलीकरण, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
15. डॉ. हरीश अरोड़ा, प्रिंट मीडिया लेखन, के. के. पब्लिकेशन्स।
16. रूपचंद गौतम, मीडिया लेखन, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

तीसरा सत्र पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – 10 (MHIN 10)

भारतीय काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)
पाठ्य विषय

खंड-1

संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।
रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।

खंड-2

अलंकार-सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण ।
रीति-सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापना ।

खंड-3

वक्रोक्ति-सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।
ध्वनि-सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य ।
औचित्य-सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद ।

खंड-4

हिन्दी आलोचना उद्भव-विकास, हिन्दी आलोचक- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र ।

प्राश्निक के लिए निर्देशः

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे ।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक। (प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक। (रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी) कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. पंडित बलदेव उपाध्याय, भारतीय काव्य शास्त्र, मन्द किशोर एण्ड सन्स, वाराणसी ।
2. पं. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत आलोचना, भार्गव प्रेस, इलाहाबाद ।
3. डॉ. भगीरथ, भारतीय काव्यांग, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
4. डॉ. सुशील कुमार डे, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, बिहार ग्रंथ अकादमी ।
5. डॉ. भगीरथ मिश्र, हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
6. भगवद्स्वरूप मिश्र, हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास, साहित्य सदन, देहरादून ।
7. राजवंश सहाय, अलंकार शास्त्र की परम्परा, बिहार ग्रन्थ अकादमी ।
8. डॉ. बच्चन सिंह, आलोचक और आलोचना, नेशनल पब्लिकेशन, दिल्ली ।
9. डॉ. उदयभानु सिंह, भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली ।
10. डॉ. नगेन्द्र, भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली ।
11. त्रिभुवन राय, ध्वनि सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख आचार्य, अरविन्द प्रकाशन, बम्बई ।
12. देवेन्द्रनाथ शर्मा, पाश्चात्य काव्य शास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
13. सुरेश सिन्हा, हिन्दी आलोचना का विकास, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
14. मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ ।

प्रश्न पत्र – 11 (MHIN 11)

अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

खंड-1

अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व, अनुवाद की प्रकृति : अनुवाद कला अथवा विज्ञान, अनुवाद के तकनीकी उपकरण : उपयोगिता एवं सीमाएं, अनुवादक के गुण एवं दायित्व।

खंड-2

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि : अंतरण, पुनर्गठन, भाषिक एवं विषयवस्तु के स्तर पर विश्लेषण, अर्थान्तरण-समतुल्यता का सिद्धांत, अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया।

खंड-3

अनुवाद के प्रकार - शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छाया अनुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद, लिप्यंकन और लिप्यंतरण।

खंड-4

अनुवाद : पुनरीक्षण, सम्पादन, मूल्यांकन, प्रासंगिकता, व्यावसायिक क्षेत्र में अनुवाद की उपयोगिता, अनुवाद की समस्याएँ, व्यावहारिक अनुवाद (हिंदी अवतरण का अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिंदी का अनुवाद), शब्दावली, शीर्षक और अभिव्यक्ति का अनुवाद।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,

अतिलघूत्तरीय प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100.

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,

अतिलघूत्तरीय प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी, अनुवाद: सिद्धांत और समस्याएँ, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
2. वासुदेव नन्दन प्रसाद, हिन्दी अनुवाद: सिद्धांत और प्रयोग, भारती भवन, पटना।
3. कैलाश चन्द्र भाटिया, अनुवाद कला: सिद्धांत और प्रयोग, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
4. सुरेश कुमार, अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. डॉ. नगेन्द्र (सं.), अनुवाद विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
6. डॉ. गार्गी गुप्त (सं.), अनुवाद बोध, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।
7. डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, अनुवाद कला, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
8. डॉ. पून चन्द टंडन, अनुवाद साधना, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली।
9. डॉ. सोहन शर्मा (सं.), अनुवाद: सोच और संस्कार, समिति प्रकाशन, बम्बई।
10. डॉ. दिनेश चमोला 'शैलेश', अनुवाद और अनुप्रयोग, आदिश प्रकाशन, देहरादून।

प्रश्न पत्र – 12 (MHIN 12)

छायावादी काव्य

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)
इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या एवं विवेचना के लिए चार कवि निर्धारित किए गए हैं :

खंड -1

1. जयशंकर प्रसाद
तीन सर्ग : चिन्ता, श्रद्धा, आनन्द सर्ग।
पाठ्य पुस्तक: कामायनी, जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशना

खंड -2

2. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
'राम की शक्ति पूजा' एवं 'सरोज स्मृति' कविताएँ।
पाठ्य पुस्तक: आधुनिक हिंदी काव्य, खंड-क, (सं.) डॉ. हरीश अरोड़ा एवं डॉ. जोगेश कौर, सतीश बुक डिपो, दिल्ली।

खंड -3

3. सुमित्रानन्दन पंत
(‘परिवर्तन’, ‘नौका विहार’, ‘मोह’, ‘आ धरती कितना देती है’ कविताएँ)
पाठ्य पुस्तक: पल्लव, सुमित्रानन्दन पंत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
आधुनिक हिंदी काव्य, खंड-क, (सं.) डॉ. हरीश अरोड़ा एवं डॉ. जोगेश कौर, सतीश बुक डिपो, दिल्ली।

खंड -4

4. महादेवी वर्मा
(विरह का जलजात जीवन, मैं नीर भरी दुःख की बदली, बीन भी हूँ तुम्हारी रागिनी भी, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, फिर विकल हैं प्राण मेरे, जो तुम आ जाते एक बार’ कविताएँ)
पाठ्य पुस्तक : यामा, महादेवी वर्मा, भारतीय भण्डार, इलाहाबाद
कवि भारती, (सं.) सुमित्रानन्दन पंत, बालकृष्ण राव, डॉ. नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव (झाँसी)।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे

अंक विभाजन

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी) कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. प्रेमशंकर, प्रसाद का काव्य, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
2. नन्ददुलारे वाजपेयी, जयशंकर प्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
3. डॉ. नगेन्द्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल, दिल्ली।
4. डॉ. इन्द्रनाथ मदान (सं.), निराला, लोक भारती, इलाहाबाद।
5. दूधनाथ सिंह, आत्महन्ता आस्था निराला, लोक भारती, इलाहाबाद।
6. क्रांतिकारी कवि निराला, डॉ. बच्चन सिंह, नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी।
7. ई-चेलिशेव, सुमित्रानन्दन पंत तथा आधुनिक हिन्दी कविता में परम्परा और नवीनता, राजकमल, दिल्ली।
8. सी.डी. वशिष्ठ, सुमित्रानन्दन पंत: व्यक्ति एवं कवि, शब्द और शब्द, दिल्ली।
9. राम विलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. गोपाल सिंह, छायावाद के गौरव चिह्न, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
11. कुमारी शान्ति श्रीवास्तव, छायावादी काव्य और निराला, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 13 (एक) (MHIN 13)

आधुनिक हिन्दी कहानी

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

व्याख्या एवं विवेचना के लिए विद्यार्थी निम्नलिखित कहानीकारों की उद्धृत एक-एक कहानी का अध्ययन करेंगे -

खंड.1

जयशंकर प्रसाद : (शरणागत)

पाठ्य पुस्तक : छाया (कहानी संग्रह), भारती भंडार, इलाहाबाद

प्रेमचंद (बड़े भाई साहब)

पाठ्य पुस्तक : मानसरोवर भाग-1, प्रेमचंद, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।

खंड.2

यशपाल (फूलो का कुर्ता)

पाठ्य पुस्तक : (फूलो का कुर्ता (कहानी संग्रह), यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ।

रेणु (तीसरी कसम)

रेणु की आंचलिक कहानियां (कहानी संग्रह), (सं.) दक्षिणेश्वर रेणु, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

खंड.3

अज्ञेय (रोज)

अज्ञेय (रचनावली-खंड-03), (सं.) कृष्णदत्त पालीवाल, भारतीय ज्ञानपीठ।

शिवप्रसाद सिंह (कर्मनाशा की हार)

पाठ्य पुस्तक : कर्मनाशा की हार (कहानी संग्रह), शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।

खंड.4

अमरकांत (जिन्दगी और जोंक)

पाठ्य पुस्तक : जिन्दगी और जोंक (कहानी संग्रह) : अमरकांत, भारतीय ज्ञानपीठ।

ममता कालिया (मुखौटा)

पाठ्य पुस्तक : मुखौटा (कहानी संग्रह) : लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

प्राश्रिक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगी जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें:

1. राजेश्वर सक्सेना, भीष्म साहनी ; व्यक्ति और रचना, वाणी, प्रकाशन दिल्ली।
2. विवेक द्विवेदी, भीष्म साहनी: उपन्यास साहित्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
3. अनीता राजूरकर, कथाकार मन्नू भण्डारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. वंशीधर, राजेन्द्र मिश्र, मन्नू भण्डारी का श्रेष्ठ सर्जनात्मक साहित्य, नटराज पब्लिशिंग हाउस, करनाल।
5. कुमार कृष्ण, कहानी के नए प्रतिमान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. रामदरश मिश्र, हिंदी कहानी अन्तरंग पहचान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. गुरचरण सिंह, कहानी का समकालीन, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
8. राजेन्द्र यादव, कहानी स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 13 (दो) (MHIN 13)

आधुनिक हिन्दी उपन्यास

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राईवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय :

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित तीन उपन्यासों का विद्यार्थी अध्ययन करेंगे -

1. तमस (भीष्म साहनी)
पाठ्य पुस्तक : तमस (उपन्यास), भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. शेखर एक जीवनी (भाग-1), अज्ञेय
पाठ्य पुस्तक : शेखर एक जीवनी (भाग-1), अज्ञेय (उपन्यास) सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
3. छिन्नमस्ता (प्रभा खेतान)
पाठ्य पुस्तक : छिन्नमस्ता (उपन्यास), प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. पोस्ट बॉक्स नम्बर 206, नाला सोपारा (चित्रा मुद्गल)
पाठ्य पुस्तक : पोस्ट बॉक्स नम्बर 206, नाला सोपारा (उपन्यास), चित्रा मुद्गल, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (प्राईवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100
चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी) कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. राजेश्वर सक्सेना, भीष्म साहनी ; व्यक्ति और रचना, वाणी, प्रकाशन दिल्ली।
2. विवेक द्विवेदी, भीष्म साहनी: उपन्यास साहित्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
3. अनीता राजूरकर, कथाकार मन्नू भण्डारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. ब्रह्मदेव मिश्र, अज्ञेय और उनका उपन्यास संसार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. परमानंद श्रीवास्तव, उपन्यास की रचना प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. अरविन्दाक्षन, अज्ञेय की उपन्यास यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. डॉ. सुशील कुमार, अज्ञेय के कथा साहित्य में पाश्चात्य दर्शन, देश भारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. तरसेम गुजराल, दस कालजयी उपन्यास : जमीन की तलाश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. डॉ. मुकुंद द्विवेदी, हिंदी उपन्यास : युगचेतना और पाठकीय संवेदना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. प्रताप नारायण टंडन, हिंदी उपन्यास में कथा शिल्प का विकास, हिंदी साहित्य भण्डार, लखनऊ।
11. राजेश्वर सक्सेना, भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
12. डॉ. योजना रावत, स्त्री विभ्रवादी उपन्यास : सृजन और संभावना, लोकवाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय :

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित नाटकों का विद्यार्थी अध्ययन करेंगे -

खंड.1

1. भारतेन्दु (भारत दुर्दशा)
पाठ्य पुस्तक : भारत दुर्दशा (नाटक), भारतेन्दु, समाज शिक्षा प्रकाशन, दिल्ली।

खंड.2

2. मोहन राकेश (आधे-अधूरे)
पाठ्य पुस्तक : एक सत्य हरिश्चंद्र (नाटक), लक्ष्मी नारायण लाल, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।

खंड.3

3. दुष्यंत कुमार (एक कंठ विषपायी)
पाठ्य पुस्तक : एक कंठ विषपायी (नाटक) : दुष्यंत कुमार, लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद।

खंड.4

4. श्री नरेश मेहता (संशय की एक रात)
पाठ्य पुस्तक : संशय की एक रात (नाटक), श्री नरेश मेहता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।

प्राश्रिक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100
चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,
अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक। (रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी) कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. बनवीर प्रसाद, आधुनिक हिंदी नाटक (कथ्य, शैली और शिल्प), अनंग प्रकाशन, दिल्ली।
2. गोविन्द चातक, प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना, साहित्य भारती, दिल्ली।
3. नेमिचंद्र जैन, आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, मेक्सिमलन दिल्ली।
4. रामचन्द्र तिवारी, हिंदी गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. डॉ. सविता तिवारी, नवम् दशक के हिंदी नाटकों की अद्यत्न प्रवृत्तियाँ, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।
6. डॉ. दशरथ ओझा, हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
7. गिरीश रस्तोगी, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
8. डॉ. शेखर शर्मा, समकालीन संवेदना और हिंदी नाटक, भावना प्रकाशन, दिल्ली।
9. डॉ. लक्ष्मी राय, आधुनिक हिंदी नाटक, चरित्र सृष्टि के आयाम, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली।
10. रीता रानी पालीवाल, जयशंकर प्रसाद और मोहन राकेश की रंगदृष्टि का तुलनात्मक अध्ययन, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
11. सत्यवती त्रिपाठी, आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. तरसेम गुजराल, दस कालजयी उपन्यास : जमीन की तलाश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

वैकल्पिक प्रश्न पत्र - 13 (चार) (MHIN 13)

आधुनिक हिंदी कविता

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)
इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित चार कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

खंड -1

1. मैथिलीशरण गुप्त :

साकेत (नवम् सर्ग)।

पाठ्य पुस्तक : साकेत (नवम् सर्ग), साहित्य सदन, चिरगांव (झाँसी)।

(खंड ख)

2. भवानी प्रसाद मिश्र :

गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल, बुनी हुई रस्सी, गांधी पंचशती, त्रिकाल संध्या, फूल कमल के, वाणी की दीनता, कठपुतली, अप्रस्तुत, मैं तैयार नहीं था, व्यक्तिगत, दरिदा, पुरुष प्रधान, काल पुरुष' आदि कविताएँ।

पाठ्य पुस्तक : भवानी प्रसाद मिश्र, सम्पादक विजय बहादुर सिंह, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।

(खंड ग)

3. केदारनाथ सिंह :

पानी में धिरे हुए लोग, रोटी, एक ठेठ देहाती, कार्यकर्ता के प्रति, कविता क्या है, मांझी का पुल, बसंत, बाजार, वापसी' आदि कविताएँ।

पाठ्य पुस्तक : यहाँ से देखो (कविता संग्रह) केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

(खंड घ)

4. धूमिल :

पटकथा, रोटी और संसद, शब्द जहाँ सक्रिय हैं, मोचीराम, अकाल दर्शन, भाषा की रात, नक्सलबाड़ी, एक आदर्श' आदि कविताएँ।

पाठ्य पुस्तक : संसद से सड़क तक (कविता संग्रह) धूमिल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पढ़ी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,

अतिलघूत्तरीय प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,

अतिलघूत्तरीय प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें:

1. नंदकिशोर नवल, समकालीन काव्ययात्रा, किताबघर, दिल्ली।
2. विश्वनाथप्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, राजकमल, दिल्ली।
3. कुमार कृष्ण, कविता की सार्थकता, साहित्यनिधि, दिल्ली।
4. डॉ. रामशकल बिन्द, हिंदी व्यंग्य कविता और धूमिल, शिव हरि प्रकाशन, दिल्ली।
5. डॉ. ब्रह्म देव मिश्र, धूमिल और उसका काव्य संघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
6. कमला प्रसाद, आधुनिक हिंदी कविता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. यश गुलाटी, कविता और संघर्ष चेतना, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली।
8. नरेश मिश्र, आधुनिक हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।

चौथा सत्र पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – 14 (MHIN 14)

छायावादोत्तर काव्य

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

खंड -1

इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नलिखित चार कवियों का अध्ययन किया जाएगा :

1. रामधारी सिंह 'दिनकर'

पाठ्य पुस्तक : रश्मिरेथी, रामधारी सिंह 'दिनकर', लोक भारती प्रकाशन।

खंड -2

2. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, मैंने देखा एक बूंद, कितनी नावों में कितनी बार, सोन मछली, रात होते प्रात होते, दूज का चाँद' कविताएँ
पाठ्य पुस्तक : लोकप्रिय कवि अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।

खंड -3

3. नागार्जुन

बादल को धिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, सतरंगे पंखों वाली, तर्पण, मनुष्य हूँ, प्रेत का वयान, कविताएँ।
पाठ्य पुस्तक : युगधारा, नागार्जुन, यात्री प्रकाशन दिल्ली। सतरंगे पंखों वाली, नागार्जुन, यात्री प्रकाशन, कलकत्ता।

खंड -4

4. शमशेर बहादुर सिंह

रात्रि, बाबा हमारे नागार्जुन बाबा, कल्थई गुलाब, अमन का राग, ओ मेरे घर, बात बोलोगी, चूका भी हूँ मैं नहीं, काल तुझ से होड़ है मेरी कविताएँ।

पाठ्य पुस्तक : प्रतिनिधि कविताएँ : शमशेर बहादुर सिंह, डॉ. नामवर सिंह (सं.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो व्याख्याएँ पूछी जाएँगी जिनमें से एक को व्याख्यायित करना अनिवार्य होगा।
2. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो अलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
3. सभी खंडों में से आठ अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से छह के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन

चार व्याख्याएँ : $4 \times 9 = 36$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 13 = 52$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार व्याख्याएँ : $4 \times 7 = 28$ अंक, चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 10 = 40$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $6 \times 2 = 12$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. डॉ. रमेश ऋषिकल्प, अज्ञेय की कविता : परम्परा और प्रयोग, अभिरुचि प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिद्धेश्वर प्रसाद, छायावादोत्तर काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली।
4. विश्वनाथप्रसाद तिवारी, समकालीन हिन्दी कविता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. कुमार कृष्ण, कविता की सार्थकता, साहित्यनिधि, दिल्ली।
6. डॉ. लल्लन राय, मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता, मंथन, रोहतक।
7. सावित्री सिन्हा, (सं.) दिनकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. सुशीला मिश्रा, दिनकर की साहित्य दृष्टि, अनुपम प्रकाशन, पटना।
9. जगमोहन शर्मा, स्वच्छन्दतावाद और दिनकर का काव्य, शारदा प्रकाशन, दिल्ली।
10. डॉ. पान सिंह, कविता का वर्तमान परिदृश्य, इण्डिया नेट बुक्स, दिल्ली।
11. डॉ. दीपक, नागार्जुन का काव्य (जीवन मूल्यों के सन्दर्भ में), इण्डिया नेट बुक्स, दिल्ली।
12. विजय बहादुर सिंह, नागार्जुन अनभिजात का क्लासिक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. सावित्री सिन्हा, (सं.) युगचारण दिनकर, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली।

प्रश्न पत्र – 15 (MHIN 15)

पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड-1

प्लेटो: काव्य-सिद्धांत।

अरस्तु: अनुकरण-सिद्धान्त, त्रासदी-विवेचन।

खंड-2

लॉजाइनस: उदात्त की अवधारणा।

वर्ड्सवर्थ: काव्य-भाषा का सिद्धांत।

मैथ्यू आर्नेल्ड: आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।

खंड-3

टी.एस.एलियट: परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवैयक्तिकता का सिद्धांत वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य
आई.ए. रिचर्ड्स: रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

खंड-4

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ,

संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

प्राश्निक के लिए निर्देश:

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक,

अतिलघूत्तरी प्रश्न : $10 \times 2 = 20$ अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशासित पुस्तकें :

1. डॉ. नगेन्द्र, अरस्तु का काव्य शास्त्र, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, पाश्चात्य समीक्षा-दर्शन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
3. डॉ. बच्चन सिंह, आलोचक और आलोचना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. शम्भुदत्त, आई.ए. रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धांत, भारती भवन, पटना।
5. डॉ. निर्मला जैन (सं.) नयी समीक्षा के प्रतिमान, नेशनल, दिल्ली।
6. डॉ. मैथिली प्रसाद भारद्वाज, पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
7. डॉ. शिव कुमार मिश्र, मार्क्सवादी साहित्य-चिन्तन, मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
8. डॉ. तारकनाथ बाली, पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास, मैक्सिमल, दिल्ली।
9. डॉ. शेखर शर्मा, पाश्चात्य समीक्षा और समीक्षक, प्रासंगिक प्रकाशन, दिल्ली।

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी)

पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय :

खंड.1

शोध अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ

शोध का क्षेत्र, प्रकृति और सीमाएं

खंड.2

शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध, आलोचनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध, तुलनात्मक शोध, समाजशास्त्रीय शोध, भाषा वैज्ञानिक शोध, प्रवृत्तिगत शोध, शैली वैज्ञानिक शोध।

खंड.3

शोधन की प्रक्रिया : प्रवेश प्रक्रिया, विश्वविद्यालय चयन, निर्देशक चयन, विषय निर्वाचन, सामग्री संकलन, सर्वेक्षण, रूपरेखा निर्माण।

खंड.4

किसी भी विषय पर लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर उपर्युक्त तीन खंडों में से आठ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे, प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. खंड.4 के अंतर्गत किसी एक विषय पर लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण करना होगा।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक

लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण : 20 अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक

लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण : 20 अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

नोट : शोध प्रविधि हेतु आर. के. कौल और जय देव द्वारा लिखित 'स्टाइल शीट' / 'एम. एल. ए. स्टाइल शीट' का प्रयोग किया जाए जिसे भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के द्वारा प्रकाशित किया गया है।

अनुसंसित पुस्तकें :

1. विजय पाल सिंह, हिन्दी अनुसंधान, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
2. तिलक सिंह, नवीन शोध विज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
3. विनय मोहन शर्मा, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. उदयभानु सिंह, अनुसंधान का विवेचन, हिन्दी साहित्य संस्कार, दिल्ली।
5. एस.एस. कन्ने, भारतीय पाठालोचन की भूमिका, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
6. डॉ. जोगेश कौर, अनुसंधान विधि : हिन्दी शोध ग्रन्थों के सन्दर्भ में, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
7. डॉ. सावित्री सिन्हा, अनुसंधान की प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाँउस, दिल्ली।
8. डॉ. विजयपाल सिंह, हिन्दी अनुसंधान, लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद।
9. नगेन्द्र, शोध और सिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग हाँउस, दिल्ली।
10. मनमोहन सहगल, हिन्दी संशोधन की रूपरेखा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

प्रश्न पत्र – 17 (MHIN 17)

लोक साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन एवं प्रायोगिक आयाम

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी) पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय

सैद्धांतिक विवेचन :

खंड-1

लोक साहित्य: अर्थ, परिभाषा, लोक साहित्य का महत्त्व एवं विशेषताएं और वर्गीकरण : लोक-गीत, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नाटक, लोकोक्तियां, मुहावरे एवं पहेलियां।

लोक संस्कृति और लोक साहित्य।

शिष्ट साहित्य और लोक साहित्य का अन्तःसम्बन्ध।

भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास।

खंड-2

लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों (इतिहास, समाजशास्त्र, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, नृविज्ञान, चिकित्साशास्त्र) से सम्बन्ध।

लोक साहित्य की आलोचना के मानदण्ड।

लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया, संकलन की कठिनाइयां एवं समाधान।

प्रायोगिक आयाम :

खंड-3

हिमाचल के लोकगीत, लोकगाथाएं, लोककथाएं : -

हिमाचल प्रदेश में प्रचलित लोकगीतों के विविध रूप।

हिमाचल प्रदेश में प्रचलित प्रणयात्मक, वीरात्मक, ऐतिहासिक, दैविक एवं सतीत्व प्रदत्त लोकगाथाएं।

हिमाचल प्रदेश में प्रचलित लोक कथाओं के विविध रूप।

खंड-4

हिमाचल के लोकनाट्य, लोकनृत्य, कहावतें, मुहावरें एवं पहेलियां

लोक नाट्य परम्परा एवं प्रविधि, हिमाचल प्रदेश के प्रमुख लोकनाट्य रूप, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।

हिमाचल प्रदेश में प्रचलित प्रमुख लोक नृत्य, हिमाचल प्रदेश में प्रचलित कहावतों, मुहावरों एवं पहेलियों के विविध रूप।

हिमाचल के विविध क्षेत्रों में संकलित एवं विश्लेषित लोक साहित्य रूपों का संक्षिप्त परिचय।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बाहर अति लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक

लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण : 20 अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक

लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण : 20 अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. डॉ. सत्येन्द्र, लोक-साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल, आगरा।
2. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
3. डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय, लोक साहित्य का अध्ययन, लोक भारती, इलाहाबाद।
4. डॉ. हरिराम जस्टा, हिमाचल की लोक संस्कृति, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
5. डॉ. श्रीराम शर्मा, लोक साहित्य : स्वरूप और मूल्यांकन, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।
6. डॉ. गौतम व्यथित, हिमाचल प्रदेश: लोक संस्कृति और लोक साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली।
7. लोक जीवन और परम्पराएँ, कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला।
8. डॉ. भवानी सिंह, हिमाचल प्रदेश की लोकगाथाएँ, लिटरेरी सर्किल, जयपुर।
9. डॉ. खुशी राम गौतम, सिरमौरी लोक साहित्य, हिमाचल कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला।
10. सुदर्शन वशिष्ठ (सम्पादक), हिमाचल प्रदेश के लोकगीत, हिमाचल कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, शिमला।

प्रश्न पत्र – 18 (MHIN 18)
हिंदी साहित्य और सिनेमा (जेनरिक-2)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 80 (पत्राचार एवं रेगुलर परीक्षार्थी)

पूर्णांक : 100 (प्राइवेट परीक्षार्थी)

पाठ्य विषय :

(खंड क)

सिनेमा का स्वरूप सरोकार एवं महत्त्व
हिंदी सिनेमा का उद्भव-विकास
छठे दशक का न्यू वेब सिनेमा
21वीं सदी का सिनेमा

(खंड-ख)

हिंदी साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध
हिंदी कथा साहित्य और सिनेमा का संबंध
उपन्यास और सिनेमा, कहानी और सिनेमा

(खंड-ग)

सिनेमा का तकनीकी पक्ष- फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, पटकथा लेखन, छायांकन, संगीत, निर्देशन, अभिनय, छायांकन, संपादन, सेंसर बोर्ड, प्रोडक्शन हाउस की भूमिका।

(खंड-घ)

हिंदी कथा साहित्य कृतियों पर बनी फिल्मों- विशेष अध्ययन -
गोदान (प्रेमचंद) : गोदान
सारा आकाश (राजेंद्र यादव) : सारा आकाश
शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद) : शतरंज के खिलाड़ी
तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु) : मारे गए गुलफाम
रजनीगन्धा (मन्नू भंडारी) : यही सच्च है (कहानी)।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक खंड में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।
2. सभी खंडों में से बारह अति लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दस के ही उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 20 = 80$ अंक

लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण : 20 अंक।

(प्राइवेट परीक्षार्थी) कुल अंक : 100

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 15 = 60$ अंक

लघु शोध प्रबंध की रूपरेखा का निर्माण : 20 अंक।

(रेगुलर एवं पत्राचार परीक्षार्थी)

कुल अंक : 80

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अनुपम ओझा, भारतीय सिनेमा सिद्धांत : राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. संजीव श्रीवास्तव, हिंदी सिनेमा का इतिहास, प्रकाशन विभाग।
3. जवरीमल्ल पारेख, हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, अनामिका प्रकाशन।
4. उज्ज्वल अग्रवाल, कथाकार कमलेश्वर और हिंदी सिनेमा, राजकमल प्रकाशन।
5. विनोद भारद्वाज, समय और सिनेमा, वाणी प्रकाशन।
6. प्रहलाद अग्रवाल, हिंदी सिनेमा बीसवीं से इक्कस्वीं शताब्दी तक, साहित्य भंडार प्रकाशन।
7. अरुण कुमार, सिनेमा और हिंदी सिनेमा, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस।
8. जवरीमल्ल पारेख, लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका प्रकाशन।
9. राही मासूम रजा, सिनेमा और संस्कृति, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
10. चंद्रकांत मिसाल, सिनेमा और साहित्य के अन्तःसंबंध, हिंदी साहित्य निकेतन, विहार बिजनौर, उत्तर प्रदेश।
11. नवल किशोर शर्मा, सिनेमा और साहित्य की संस्कृति, शिल्पायन दिल्ली।

(Handwritten signature)

(Handwritten signature)
29/9/2022

